भगवान शिव जी की आरती

ॐ जय शिव ओंकारा, प्रभु जय शिव ओंकारा
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव,अर्धांगी धारा ॐ जय शिव ओंकारा....

एकानन चतुरानन पंचानन राजे
हंसानन,गरुढ़ासन वृषवाहन साजे ॐ जय शिव ओंकारा ....

दो भुज ,चार चतुर्भुज दशभुज अति सोहे
तीनो रूप निरखता त्रिभुवन जन मोहे ॐ जय शिव ओंकारा...

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी
चंदन मृगमद सोहे भाले शाशिधारी ॐ जय शिव ओंकारा ...

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे
ब्रह्मादिक सनकादिक प्रेतादिक संगे ॐ जय शिव ओंकारा ...

कर के मध्य कमंडल चक्र त्रिशूल धर्ता
जगकर्ता जगहर्ता जगपालन करता ॐ जय शिव ओंकारा ...

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका
प्रणवाक्षर के मध्य यह तीनों एका ॐ जय शिव ओंकारा ...

त्रिगुण स्वामी जी की आरती जो कोइ नर गावे
कहत शिवानन्द स्वामी मन वान्शित फल पावे
ॐ जय शिव ओंकारा ...